प्रॉमिनेंस नवाचार

नवाचार पत्रिका – जनवरी संस्करण

प्रोमिनेंसर्स – जीवन कौशल के साथ सशक्त भविष्य की ओर

प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल

कक्षा – नर्सरी से 8

विद्यालय समाचार : नवाचार पत्रिका

हिंदी विभाग के पन्ने पर : ". जनवरी के रंग , जनवरी की चमक

हिंदी विभाग विशेष पृष्ठ **"जनवरी के रंग – सीख, संस्कार और सफलता की चमक"**

मूल्यों की दीपशिखा, भविष्य की उजास

"Prominence World School" — जहाँ शिक्षा साधना बन जाती है
"कभी-कभी शब्द शिक्षा को परिभाषित नहीं करते,बल्कि शिक्षा शब्दों को अर्थ देती है।
जहाँ कक्षाएँ केवल दीवारों में सीमित न हों,जहाँ पुस्तकें केवल परीक्षा का साधन न बनें,
जहाँ शिक्षक केवल अध्यापक न होकर संस्कारों के शिल्पकार हो"
वहीं जन्म लेती है
Prominence World School जैसी संस्था।
इसी सतत साधना का साक्ष्य है
The Times of India द्वारा प्राप्त सम्मान— "Growth Drivers of the Nation, Anchored in Values"।
यह सम्मान एक घोषणा नहीं, बल्कि मौन तपस्या की स्वीकृति है।
मूल्यों की जड़ों से उपजी उड़ान:---
Prominence World School — राष्ट्र निर्माण की शांत, सशक्त कहानी
तब जन्म लेती है ऐसी संस्था, जिसे समाज नहीं, इतिहास पहचानता है।
Prominence World School ऐसी ही एक जीवंत कहानी है—

जहाँ शिक्षा दिल से दी जाती है, और भविष्य आत्मा से गढ़ा जाता है।
इसी कारण **The Times of India द्वारा "Growth Drivers of the Nation, Anchored in Values"** के रूप में मान्यता मिलना केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि उन अनकहे प्रयासों की पहचान है
जो वर्षों से शांत भाव से, निस्वार्थ होकर किए जाते रहे हैं।
नेतृत्व जो पद नहीं, उद्देश्य जीता है, इस प्रेरणादायक यात्रा के केंद्र में हैं—
"विद्यालय प्रबंधन आदरणीय मैनेजिंग डायरेक्टर(स्कूल प्रबंधक) श्री मयंक कुमार जी एवं आदरणीय निदेशक श्री मणि कुमार जी का नेतृत्व"
जिनके लिए नेतृत्व सत्ता नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और संकल्प है। आदरणीय मैनेजिंग डायरेक्टर **श्री मयंक कुमार जी** का विश्वास है:--

"हम बच्चों को केवल सफल नहीं बनाना चाहते, हम उन्हें अच्छा इंसान बनाना चाहते हैं। क्योंकि जब इंसान अच्छा होगा, तो उसका भविष्य अपने आप उज्ज्वल होगा।" उनकी सोच हर उस निर्णय में झलकती है
जो बच्चे के हित में लिया जाता है— चाहे वह कक्षा हो, खेल का मैदान हो या जीवन को समझाने वाला कोई छोटा-सा संवाद। "नवाचार जो तकनीक से आगे, मन तक पहुँचे।"

आज की शिक्षा में तकनीक आवश्यक है, पर Prominence World School ने यह सिद्ध किया है कि तकनीक तब ही सार्थक है,जब वह मानवीय मूल्यों से जुड़ी हो। आदरणीय निदेशक **श्री मणि कुमार जी** के शब्दों में:

"नवाचार का अर्थ सिर्फ नई मशीनें नहीं, नई सोच है ऐसी सोच जो बच्चे को डर से नहीं, आत्मविश्वास से आगे बढ़ना सिखाए।" यही कारण है कि यहाँ का हर विद्यार्थी सिर्फ उत्तर लिखना नहीं सीखता, बल्कि सवाल करना, महसूस करना और जिम्मेदारी लेना सीखता है।

शिक्षा में नवाचार की प्रेरणास्रोत आदरणीय प्राचार्या डॉ. मृणालिनी मैम को सम्मान

ग्रेटर नोएड, प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की सम्मानित प्राचार्या डॉ. मृणालिनी मैम को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, दूरदृष्टि और प्रभावी नेतृत्व के लिए "इनोवेटिव प्रिंसिपल ऑफ द ईयर" जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया गया। यह गौरवपूर्ण सम्मान उन्हें Indian Institute of Technology (IIT) Delhi परिसर में आयोजित एक भव्य समारोह में Global Education Leaders द्वारा प्रदान किया गया।

यह सम्मान न केवल डॉ. मृणालिनी मैम की शैक्षिक प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है, बल्कि प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की गुणवत्ता, नवाचारशील सोच और शैक्षिक उत्कृष्टता की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति भी है।

"नेतृत्व जो शिक्षा को दिशा देता है"

डॉ. मृणालिनी मैम के कुशल मार्गदर्शन में प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल ने शिक्षा को केवल अकादमिक उपलब्धियों तक सीमित न रखते हुए, उसे समावेशी, भविष्य-उन्मुख और मूल्य-आधारित स्वरूप प्रदान किया है। उनके नेतृत्व में विद्यालय में ऐसी शिक्षण पद्धतियों को अपनाया गया है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन और चरित्र निर्माण को समान रूप से महत्व देती हैं।

डॉ. मृणालिनी मैम का मानना है:

"शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों को संवेदनशील, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।"

उनकी यही सोच विद्यालय की प्रत्येक शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधि में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। नवाचार और मूल्यों का संतुलित संगम डॉ. मृणालिनी मैम के नेतृत्व में प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल ने नवाचार आधारित शिक्षण, आधुनिक शैक्षिक तकनीकों, 21वीं सदी के कौशल और नैतिक मूल्यों के संतुलित समावेश के माध्यम से

एक ऐसा शैक्षिक वातावरण विकसित किया है, जहाँ विद्यार्थी न केवल सीखते हैं, बल्कि सोचना, समझना और समाज के प्रति उत्तरदायी बनना भी सीखते हैं। सम्मान जो सामूहिक प्रयासों की पहचान है।

सम्मान प्राप्त करते समय डॉ. मृणालिनी मैम ने इस उपलब्धि को विद्यालय के प्रबंधन, समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को समर्पित करते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा: "यह सम्मान मेरा व्यक्तिगत नहीं है। यह पूरे प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल परिवार के विश्वास, सहयोग और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।"

उन्होंने विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन, शिक्षकों की निष्ठा, विद्यार्थियों की जिज्ञासा और अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी नवाचार और गुणवत्ता आधारित शिक्षा के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

निष्कर्ष

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की सम्मानित प्राचार्या डॉ. मृणालिनी मैम को प्राप्त यह प्रतिष्ठित सम्मान इस तथ्य को सुदृढ़ करता है कि जब नेतृत्व संवेदनशील, दूरदर्शी और मूल्य-आधारित होता है, तब शिक्षा समाज और राष्ट्र दोनों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सक्षम होती है।

दिनांक 17/1/.2026

जीवन कौशल और मूल्य शिक्षा: PROMINENCE WORLD SCHOOL की शिक्षिकाओं को मिला राष्ट्रीय सम्मान

आज के युग में शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ऐसा व्यक्तित्व देना है जो जीवन की हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों के साथ कर सके। इसी उद्देश्य को साकार करता है National Conclave on Life Skills & Value Education, जिसके अंतर्गत आयोजित EdVantage Laureates Awards Ceremony 2025 एक प्रेरणादायक और गौरवपूर्ण आयोजन रहा। इस राष्ट्रीय स्तर के मंच पर Prominence World School की समर्पित शिक्षिकाओं का सम्मान न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह उस शिक्षा दर्शन की भी जीत है जिसमें जीवन कौशल और मूल्य शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। Prominence World School: जहाँ शिक्षा संस्कारों से जुड़ती है Prominence World School सदैव से यह मानता आया है कि बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब शिक्षा को नैतिकता, अनुशासन, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे मूल्यों से जोड़ा जाए। विद्यालय का शैक्षिक वातावरण बच्चों को न केवल बेहतर विद्यार्थी बनाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा भी देता है। इसी विचारधारा को कक्षा में साकार करने वाली शिक्षिकाओं में Miss Sindhu Pratap और Miss Surbhi का योगदान विशेष रूप से सराहनीय है।

शिक्षा जो जीवन को दिशा दे

Miss Sindhu Pratap का मानना है—

"जीवन कौशल बच्चों को परिस्थितियों से लड़ना सिखाते हैं और मूल्य शिक्षा उन्हें सही और गलत में फर्क करना सिखाती है। जब दोनों साथ हों, तभी शिक्षा पूर्ण होती है।"

वे बच्चों को केवल विषयवस्तु तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, संवेदनशील और आत्मविश्वासी बनाने पर विशेष ध्यान देती हैं।
वहीं Miss Surbhi का कहना है—
"शिक्षक का कार्य केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि बच्चे के भीतर छिपी अच्छाई को पहचानकर उसे निखारना है। मूल्य आधारित शिक्षा ही समाज को मजबूत बनाती है।"
उनकी शिक्षण शैली बच्चों में नैतिक साहस, सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी को विकसित करती है। सम्मान जो प्रेरणा बनता है EdVantage Laureates Awards Ceremony 2025 में मिला यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि Prominence World School की उस शिक्षा प्रणाली की पहचान है, जो बच्चों को जीवन के लिए तैयार करती है। यह पुरस्कार शिक्षकों के समर्पण, मेहनत और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देता है।

निष्कर्ष:-;

यह सम्मेलन और पुरस्कार समारोह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब विद्यालय का विज़न स्पष्ट हो और शिक्षक मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हों, तो शिक्षा समाज को नई दिशा दे सकती है। Prominence World School की शिक्षिकाएँ Miss Sindhu Pratap और Miss Surbhi आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं, जो अपने कार्य से यह सिद्ध करती हैं कि शिक्षक केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि भविष्य के निर्माता होते हैं।

दिनांक 10 जनवरी 2026
शिक्षक दक्षता: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सशक्त नींव

शिक्षा व्यवस्था की मजबूती का सबसे बड़ा आधार शिक्षक होते हैं। जब शिक्षक दक्ष, जागरूक और निरंतर सीखने के लिए तत्पर होते हैं, तभी विद्यालयों में उत्कृष्टता जन्म लेती है। इसी सोच को साकार करने के उद्देश्य से Prominence World School में Teachers' Competency Examination का आयोजन जनवरी के द्वितीय शनिवार ,10 जनवरी 2026 को किया गया। यह परीक्षा केवल एक औपचारिक मूल्यांकन नहीं थी, बल्कि शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता, विषयगत समझ, शिक्षण कौशल और नवाचार क्षमता को आत्ममंथन के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने का एक सार्थक प्रयास था। Competency: शिक्षक विकास का मूल मंत्र Competency का अर्थ केवल विषय ज्ञान नहीं, बल्कि शिक्षण में प्रभावशीलता, कक्षा प्रबंधन, मूल्य शिक्षा का समावेश और विद्यार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझने की क्षमता है। इस परीक्षा ने शिक्षकों को यह अवसर दिया कि वे अपनी ताकत को पहचानें और सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाएँ। एक शिक्षक के शब्दों में— "शिक्षक, जो सीखता है, वही सिखाने का अधिकार रखता है।" "Competency Examination हमें याद दिलाता है कि सीखना कभी समाप्त नहीं होता। एक शिक्षक जितना अधिक सीखता है, उतना ही बेहतर वह अपने विद्यार्थियों को गढ़ पाता है।"
"यह परीक्षा प्रतिस्पर्धा नहीं, आत्मविश्लेषण का माध्यम है। यही आत्मविश्लेषण हमें बेहतर शिक्षक और बेहतर इंसान बनाता है।"
निरंतर मूल्यांकन, निरंतर गुणवत्ता Prominence World School का यह प्रयास इस बात को दर्शाता है कि विद्यालय केवल विद्यार्थियों का ही नहीं, बल्कि शिक्षकों का भी सतत विकास चाहता है। इस प्रकार की परीक्षाएँ शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नवीन शैक्षिक आवश्यकताओं और मूल्यों से जुड़े रहने में सहायता करती है।
आदरणीया प्रधानाचार्या डॉ. मृणालिनी जी भी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा— "जो शिक्षक स्वयं सीखने के लिए तैयार रहता है, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार कर सकता है। Competency Examination हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता और प्रोफेशनलिज़्म का प्रमाण है।" गुणवत्ता से राष्ट्र निर्माण तक
Prominence World School का यह प्रयास यह सिद्ध करता है कि विद्यालय शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखता, बल्कि शिक्षकों को निरंतर बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाता है। जब शिक्षक स्वयं को परखते हैं, तब शिक्षा प्रणाली मजबूत होती है और समाज को दिशा मिलती है।
अत: Teachers' Competency Examination शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब शिक्षक स्वयं को समय-समय पर परखते और सुधारते हैं, तब विद्यालय ज्ञान का मंदिर बनता है, और विद्यार्थी सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर होते हैं। "दक्ष शिक्षक ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला रखते हैं।"

दिनांक 23 जनवरी 2026,
संस्कारों की सुगंध, श्रद्धा की उजास
प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में वसंत पंचमी का भावपूर्ण आयोजन

वसंत पंचमी—
केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि ज्ञान, चेतना और पवित्र आरंभ का पर्व है।
यह वह दिन है, जब माँ सरस्वती की आराधना के साथ मन, विचार और आत्मा,नव ऊर्जा से भर उठते हैं। इसी पावन भावना के साथ,प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में वसंत पंचमी का पर्व ,अत्यंत श्रद्धा, मर्यादा और भावनात्मक गरिमा के साथ मनाया गया। यद्यपि इस दिन विद्यालय के विद्यार्थियों की छुट्टी थी, फिर भी विद्यालय परिसर, आस्था, अनुशासन और संस्कारों की अनुभूति से, पूर्णतः ओत-प्रोत रहा। हवन-पूजन: साधना और समर्पण का प्रतीक विद्यालय परिसर में, वैदिक विधि से हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय का प्रशासनिक स्टाफ, समस्त शिक्षकगण, आदरणीय निदेशक Mani Sir तथा सम्मानित प्राचार्या Dr. Mrinalini Ma'am की गरिमामयी उपस्थिति रही।
मंत्रोच्चार की पवित्र ध्वनि और हवन की अग्नि के मध्य माँ सरस्वती से बुद्धि, विवेक, ज्ञान और सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की गई। उस क्षण विद्यालय केवल एक परिसर नहीं, बल्कि एक साधनास्थल प्रतीत हो रहा था। नेतृत्व की संवेदनशील उपस्थिति इस अवसर पर Director Mani Sir ने गंभीर और भावपूर्ण शब्दों में कहा: "हमारी शिक्षा केवल आधुनिकता तक सीमित नहीं है। हम मानते हैं कि संस्कारों से जुड़ी शिक्षा ही बच्चों को जीवन में सही दिशा देती है। वसंत पंचमी जैसे पर्व हमारी संस्कृति और मूल्यों को जीवित रखते हैं।"

उनकी यह भावना विद्यालय की उस सोच को प्रतिबिंबित करती है जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे का सम्मान करती हैं। ज्ञान की साधना का संदेश आदरणीय प्रधानाचार्य महोदया ने माँ सरस्वती के चरणों में नमन करते हुए कहा: "वसंत पंचमी हमें यह स्मरण कराती है कि ज्ञान केवल पुस्तकों का विषय नहीं, वह व्यवहार, विनम्रता और संवेदना में भी प्रतिबिंबित होना चाहिए। ऐसे पावन आयोजन विद्यालय को एक सशक्त, संस्कारशील परिवार बनाते हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों की अनुपस्थिति में भी उन्हीं के उज्ज्वल भविष्य, बौद्धिक विकास और संस्कारयुक्त जीवन के लिए समर्पित है। एकता, आस्था और मूल्य यह आयोजन प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल के सभी सदस्यों के बीच आपसी सम्मान, एकता और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बना।

यह स्पष्ट संदेश गया कि यह विद्यालय केवल शिक्षा देने वाला संस्थान नहीं, बल्कि संस्कारों को जीवंत रखने वाला संवेदनशील परिवार है। वसंत पंचमी का यह पावन आयोजन प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की उस आत्मा को दर्शाता है जहाँ शिक्षा ज्ञान के साथ-साथ संवेदना, संस्कृति और श्रद्धा का मार्ग है। माँ सरस्वती के आशीर्वाद से विद्यालय सदैव ज्ञान, मूल्य और मानवीयता के पथ पर अग्रसर रहे— यही इस भावपूर्ण आयोजन का सच्चा संदेश रहा।

ग्रेटर नोएडा | 24 जनवरी 2026
प्रतिभा, आत्मविश्वास और देशभक्ति का उत्सव

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में भव्य टैलेंट हंट कार्यक्रम गणतंत्र दिवस के पावन उपलक्ष्य में प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में दिनांक 24 जनवरी 2026 को बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास, जोश और देशभक्ति की भावना के साथ भाग लिया तथा अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं की रंगारंग प्रस्तुति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें—

पोस्टर मेकिंग, कविता वाचन, भाषण, नृत्य, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता प्रमुख रूप से शामिल रहीं। हर प्रस्तुति में बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और देशप्रेम स्पष्ट रूप से झलक रहा था, जिससे विद्यालय परिसर उत्साह और तालियों से गूंज उठा।

निष्पक्ष निर्णायक मंडल कार्यक्रम का मूल्यांकन निम्नलिखित सम्मानित निर्णायकों द्वारा किया गया— मिस झा — हिंदी भाषण एवं कविता वाचन मिस आकांक्षा — अंग्रेज़ी कविता एवं भाषण मिस अंजलि — अंग्रेज़ी कार्यक्रम मिस सिंधु — फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता मिस ऋतिका — फैंसी ड्रेस नृत्य मिस उन्नति — प्री-प्राइमरी वर्ग मिस अवनि — पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता सभी निर्णायकों ने बच्चों की प्रतिभा का उत्साहवर्धन करते हुए निष्पक्ष एवं प्रेरणादायक निर्णय प्रदान किए। प्राचार्या के सान्निध्य में सम्मान समारोह यह संपूर्ण कार्यक्रम विद्यालय की सम्मानित प्राचार्या महोदया के कुशल मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्राचार्या महोदया ने इस अवसर पर कहा—
"हर बच्चा अपने आप में प्रतिभावान है। ऐसे मंच बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर देते हैं। " दिनांक 24 जनवरी 2026 को आयोजित यह टैलेंट हंट कार्यक्रम प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की उस शिक्षा-दृष्टि को दर्शाता है, जहाँ शिक्षा के साथ-साथ प्रतिभा, संस्कार और आत्मविश्वास को भी समान महत्व दिया जाता है।

गर्व, गरिमा और राष्ट्रभक्ति का महापर्व
प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया
ग्रेटर नोएडा।

26 जनवरी— भारत के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक दिवस। इसी गौरवपूर्ण अवसर पर प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में गणतंत्र दिवस को अत्यंत उत्साह, सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंगों,अनुशासन और गर्व की अनुभूति से पूर्णतः सराबोर दिखाई दिया। ध्वजारोहण: सम्मान और संकल्प का क्षण कार्यक्रम का शुभारंभ:-- सम्मानित निदेशक (Director) Mani Sir द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। जैसे ही तिरंगा गर्व के साथ आकाश में लहराया, पूरा वातावरण देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगान से गूंज उठा। इस गरिमामय अवसर पर विद्यालय की सम्मानित प्राचार्या (Principal Ma'am), प्रशासनिक अधिकारी (Admin) तथा समस्त शिक्षकगण पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ उपस्थित रहे। नेतृत्व के शब्द, जो हृदय को छू गए।

ध्वजारोहण के पश्चात Respected Director Mani Sir ने सभी को संबोधित करते हुए कहा

"गणतंत्र दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हमारा संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। एक शिक्षण संस्था के रूप में हमारा दायित्व है कि हम भावी पीढ़ी को जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाएँ।" उनके शब्दों में राष्ट्र के प्रति समर्पण और शिक्षा के प्रति उत्तरदायित्व स्पष्ट रूप से झलक रहा था। प्राचार्या का प्रेरणादायक संदेश इस अवसर पर सम्मानित Principal Ma'am ने अपने भावपूर्ण संदेश में कहा— "गणतंत्र दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह दिन हमें सिखाता है कि अनुशासन, समानता और सम्मान एक सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। विद्यालय परिवार के रूप में हम सबका कर्तव्य है कि इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएँ।" उनके विचारों ने विद्यालय के प्रत्येक सदस्य को गर्व और प्रेरणा से भर दिया। एकता और अनुशासन का जीवंत दृश्य कार्यक्रम के दौरान Teachers और Admin की सक्रिय सहभागिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि एक अनुशासित, संगठित और राष्ट्रप्रेमी परिवार है। पूरा आयोजन गरिमा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण रहा।

निष्कर्ष

26 जनवरी को मनाया गया यह गणतंत्र दिवस समारोह प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की उस सोच को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और संवैधानिक मूल्यों को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है। सम्मानित Director Mani Sir और सम्मानित Principal Ma'am के नेतृत्व में विद्यालय परिवार ने यह संदेश दिया कि— राष्ट्र निर्माण की शुरुआत शिक्षा और संस्कारों से होती है।

जय हिंद

नन्हे - नन्हे छात्रों का

झरोखा :

बाल मन की स्मृतियां

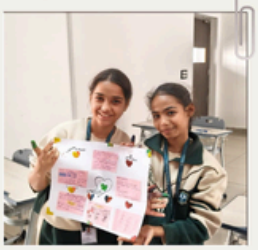

हिंदी विभाग के पन्ने पर : ".जनवरी के रंग जनवरी की चमक : बालमन की गाथा 'नवाचार' , 'नवोन्मेषी के रंग में,'

Matter Compiled By: Ms. Jha
Edited By: Ms. Surbhi Mathur
All right reserve for Prominence World School

Prominence World School Plot No.62-B,
Knowledge Park-05, Greater Noida (West)